जैवविविधिता अधिनियिम लागू करने हेतु समिति

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय** ने राज्य सरकार को जैवविविधिता अधिनियिम, 2002 को लागू करने के लिये एक समिति गठित करने का आदेश दिया।

मुख्य बिंदु:

- हैदराबाद के एक व्यवसायी द्वारा बाओबाब वृक्षों के स्थानांतरण के खिलाफ आदिवासियों के विरोध प्रदर्शन पर प्रकाशित एक रिपोर्ट पर स्वत: संज्ञान लेने के बाद उच्च न्यायालय ने मामले को जनहित याचिका (PIL) के रूप में सुनना शुरू किया।
    - रिपोर्ट में वृक्षों की विरासत एवं ऐतिहासिक मूल्य पर प्रकाश डाला गया है, जो अफ्रीका की मूल प्रजाति हैं, लेकिन संभवतः **10वीं और 17वीं शताब्दी के दौरान स्थानीय इस्लामिक साम्राज्यों** द्वारा नियुक्त **अफ्रीकी सैनिकों द्वारा मध्य प्रदेश के इस कोने** में लाए गए थे।
- राज्य सरकार ने बाद में धार के प्रसिद्ध बाओबाब वृक्षों के स्थानांतरण की अनुमति देने की शक्ति वन विभाग से छीन ली और निर्णय लिया कि यह केवल **राज्य जैवविविधिता बोर्ड** द्वारा किया जा सकता है।

जैवविविधिता अधिनियिम, 2002

यह अधिनियिम वर्ष 2002 में अधिनियमित किया गया था, इसका **उद्देश्य जैविक संसाधनों का संरक्षण करना, इसके सतत् उपयोग** का प्रबंधन करना और स्थानीय समुदायों के साथ जैविक संसाधनों के उपयोग तथा ज्ञान से उत्पन्न होने वाले **निष्पक्ष एवं न्यायसंगत लाभों को साझा** करना है।

बाओबाब वृक्ष (Baobab Trees)

- **वृक्षों के प्रकार:** बाओबाब **परणपाती वृक्ष** हैं जिनकी **ऊँचाई 5 से 20 मीटर** तक होती है।
    - परणपाती वन एक वनस्पति क्षेत्र है जहाँ मुख्य रूप से चौड़ी पत्ती वाले वृक्ष जो **एक मौसम के दौरान अपने सभी पत्ते गिरा देते हैं,** पाए जाते हैं।
- **क्षेत्र**: **अफ्रीकी बाओबाब (*Adansonia digitata*) बाओबाब की नौ प्रजातियों** में से एक है और **अफ्रीका की मूल प्रजाति है।** ये **अफ्रीकी सवाना** में भी पाए जाते हैं।
    - अफ्रीकी सवाना पारिस्थितिकी तंत्र एक **उष्णकटिबंधीय घास** का मैदान है जहाँ **पूरे वर्ष अधिक तापमान बना रहता है** और गर्मियों में सबसे अधिक मौसमी वर्षा होती है।
- **ट्री ऑफ लाइफ/जीवन वृक्ष:** चूँकि अफ्रीकी बाओबाब एक गूदेदार (Succulent) पादप प्रजाति है, जिसका अर्थ है कि वर्षा-ऋतु के दौरान यह वृक्ष अपने विशाल तने में जल को अवशोषित और संग्रहीत करता है तथा शुष्क मौसम में इन वृक्षों पर पोषक तत्त्वों से भरपूर फल लगते हैं।

h